ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषिऔर प्रौद्योगिकीविश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक :12.01.2024

नैनीताल(उत्तराखंड)के मौसम का पूर्वानुमान–जारी करने का दिन:2024-01-12 (अगले5 दिनों के8:30 IST तक वैध)

मौसमकारक	13/01/2024	14/01/2024	15/01/2024	16/01/2024	17/01/2024
वर्षा (मीमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	17.0	16.0	16.0	17.0	18.0
न्यूनतम तापमान(से.)	7.0	6.0	6.0	7.0	8.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	65	65	65	75	75
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	25	25	25	35	35
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	1	1	1	2	2
पवन दिशा (डिग्री)	320	320	320	140	140
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	2	2

समसारांश/ चेतावनी:

आने वाले दिनों में बारिश की भविष्यवाणी नहीं की गई है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमश: 16.0-18.0 डिग्री सेल्सियस और 6.0-8.0 डिग्री सेल्सियस हो सकता है। मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व दिशा से 1-2 किमी/घंटा की गति से हवा चलने की उम्मीद है। 12 और 13 जनवरी के दौरान नैनीताल के मैदानी इलाकों के अलग-अलग स्थानों में ठंडे दिनों के साथ शुष्क मौसम और घना कोहरा रहने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह के बारे में एक नियमित अपडेट “मेघदूत ऐप” पर उपलब्ध है और बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए “दामिनी ऐप” भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड यूज़र) और ऐप सेंटर (iOS यूज़र) से डाउनलोड किया जा सकता है। NDVI कंपोजिट क्षेत्र में अच्छी कृषि शक्ति को दर्शाता है। विस्तारित रेंज पूर्वानुमान प्रणाली 12-18 जनवरी तक बड़ी कमी वाली वर्षा की प्रवृत्ति को इंगित करती है। अधिकतम तापमान पहाड़ियों में सामान्य रुझान से ऊपर और मैदानी इलाकों में सामान्य रुझान को दर्शाता है जबकि न्यूनतम तापमान क्षेत्र में सामान्य रुझान को दर्शाता है। सिंचित घाटी में, टमाटर, शिमला मिर्च और बैंगन के पौधों के लिए मिट्टी उपचार के साथ-साथ पॉली हाउस की व्यवस्था तैयार की जानी चाहिए। मौसम की चेतावनी के अनुसार उचित कृषि उपायों का पालन किया जाना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

12 और 13 जनवरी, 2024 को नैनीताल के मैदानी इलाकों में अलग-अलग स्थानों पर घने कोहरे के साथ ठंडे की स्थिति बने रहने की सम्भावना है तथा इस क्षेत्र में मौसम शुष्क रहेगा ।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना/मसूर	वानस्पतिक	फसल की निगरानी की जानी चाहिए और नियमित रूप से गुड़ाई और निराई की जानी चाहिए। समय-समय पर सिंचाई करते रहना चाहिए।
तोरिया (लाही/घरिया) और पीली सरसों (राड़ा)	वानस्पतिक/ फूल आना	फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और समय-समय पर सिंचाई की जानी चाहिए।
गेहूँ	वानस्पतिक	वर्षा की स्थिति में, फसल में निराई और गुड़ाई की निगरानी की जानी चाहिए और समय-समय पर सिंचाई प्रदान की जानी चाहिए।
जौ	वानस्पतिक	गुड़ाई और निराई के लिए फसल की नियमित रूप से निगरानी की जानी चाहिए और समय-समय पर सिंचाई की जानी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
शिमला मिर्च	नर्सरी	बीजों को तैयार नर्सरी में बोया जाना चाहिए और अंकुरों को पाले और अत्यधिक ठंड से बचाना चाहिए।
पालक	वानस्पतिक	समय-समय पर सिंचाई करके पूर्वानुमानित ठंड की स्थिति के खिलाफ उचित उपाय करके फसल को संरक्षित किया जाना चाहिए।
आलू	वानस्पतिक	30-35 दिनों के अंतराल पर आलू में मिट्टी चढ़ाने के बाद शेष नाइट्रोजन डाल दे और समय-समय पर सिंचाई करके ठंड की स्थिति के खिलाफ उचित खेती के उपाय किए जाने चाहिए। झुलसा रोग के लिए परिस्थितियाँ उपयुक्त हैं इसलिए फसल में उचित छिड़काव किया जाना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय/ भैंस	पशुओं को ठंड से बचाने के लिए पशुओं के भोजन में तेल एवं गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। पशुओं को अजवायन और गुड़ भी खिलाएं। पशुओं को ठंड से बचाने के लिए शेड में उचित व्यवस्था करनी चाहिए। पशुओं को रिंडरपेस्ट रोग (शीतला रोग) से बचाने के लिए टीकाकरण कराना चाहिए। अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता के लिए पशु आहार में 10% की वृद्धि की जानी चाहिए।

भेड़/बकरी	भेड़/बकरी के प्रसव कक्ष को साफ-सुथरा रखें।

अन्य (मृदा/भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा/भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा/भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	अलर्ट के अनुसार पौधा/अंकुर और फसलों में ठंड से बचाव के लिए उचित उपाय किए जाने चाहिए।